# हिन्दी विभाग

## Vision

हिन्दी विभाग का विज़न राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020/2024 तथा उच्च शिक्षा में गुणवत्ता आश्वासन के सिद्धांतों के अनुरूप ऐसा सुदृढ़, समावेशी और नवाचारोन्मुख अकादमिक परिवेश विकसित करना है, जिसमें हिन्दी भाषा और साहित्य का अध्ययन शिक्षण, अनुसंधान, विस्तार गतिविधियों और कौशल-विकास के समन्वित स्वरूप में निरंतर उन्नत होता रहे। विभाग का उद्देश्य Outcome-Based Education को केंद्र में रखते हुए शिक्षण–अधिगम प्रक्रियाओं को विद्यार्थी-केंद्रित, बहुविषयक और बहुभाषिक बनाना है, ताकि शिक्षार्थी भाषिक दक्षता, आलोचनात्मक चिंतन, रचनात्मक अभिव्यक्ति, डिजिटल साक्षरता और व्यावसायिक क्षमता—इन सभी क्षेत्रों में संतुलित विकास प्राप्त कर सकें। हिन्दी विभाग पारंपरिक साहित्यिक अध्ययन के साथ प्रयोजनमूलक हिन्दी, मीडिया लेखन, अनुवाद अध्ययन, डिजिटल कंटेंट सृजन तथा प्रशासनिक संप्रेषण को पाठ्यक्रम में प्रभावी रूप से समाहित कर शिक्षा को रोजगारोन्मुख एवं समाजोपयोगी बनाने की दिशा में कार्य करता है। विभाग का विज़न सतत गुणवत्ता सुधार, अकादमिक नवाचार, अनुसंधान संस्कृति के संवर्धन और तकनीक-संवर्धित शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से हिन्दी को समकालीन आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करना है। लोकसाहित्य, क्षेत्रीय भाषाएँ एवं सांस्कृतिक विरासत—विशेषतः कुमाऊँनी एवं गढ़वाली भाषा-संस्कृति—को अकादमिक विमर्श का अभिन्न अंग बनाकर विभाग समावेशी शिक्षा और स्थानीय ज्ञान-परंपराओं के संरक्षण को सुदृढ़ करता है। स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, आदिवासी विमर्श, बाल विमर्श तथा पर्यावरणीय अध्ययन जैसे समकालीन विमर्शों के माध्यम से हिन्दी विभाग सामाजिक न्याय, समता और संवेदनशील नागरिकता के निर्माण की प्रतिबद्धता व्यक्त करता है। विभाग गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, पारदर्शी मूल्यांकन, निरंतर पाठ्यक्रम समीक्षा और हितधारक सहभागिता को संस्थागत संस्कृति के रूप में विकसित कर स्वयं को एक उत्तरदायी शैक्षणिक इकाई के रूप में स्थापित करने का प्रयास करता है। इस प्रकार हिन्दी विभाग का विज़न अकादमिक उत्कृष्टता, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्रीय–वैश्विक प्रासंगिकता के समन्वय से ऐसी शिक्षण संरचना का निर्माण करना है जो विद्यार्थियों को ज्ञान-संपन्न, कौशल-सम्पन्न और मूल्यनिष्ठ नागरिक के रूप में विकसित करे तथा संस्थान की गुणवत्ता-उन्मुख पहचान को सुदृढ़ बनाए।

# Mission

हिन्दी विभाग का मिशन राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020/2024 तथा NAAC द्वारा निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों को एकीकृत करते हुए विद्यार्थियों में भाषिक दक्षता, बौद्धिक क्षमता, नैतिक मूल्यों और व्यावसायिक कौशल का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करना है। विभाग का लक्ष्य संरचित पाठ्यक्रम, Ability Enhancement Courses, Skill Enhancement Courses, परियोजना-आधारित अधिगम, इंटर्नशिप और फील्ड-वर्क के माध्यम से Outcome-Based Learning को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करना है, जिससे विद्यार्थी सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक दक्षता अर्जित कर सकें। मिशन का एक प्रमुख आयाम शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया में नवाचार, डिजिटल संसाधनों के उपयोग और सतत मूल्यांकन प्रणाली को सुदृढ़ करना है, ताकि शैक्षणिक गुणवत्ता और सीखने के प्रतिफल निरंतर उन्नत होते रहें। हिन्दी विभाग अनुसंधान-अभिमुख वातावरण विकसित कर विद्यार्थियों और शिक्षकों को साहित्यिक अध्ययन, भाषाविज्ञान, अनुवाद अध्ययन, लोकसाहित्य और समकालीन विमर्शों पर शोध कार्य हेतु प्रोत्साहित करता है। विभाग का मिशन समावेशी शिक्षा को सुदृढ़ करने के लिए स्त्री, दलित, आदिवासी, बाल तथा अन्य वंचित वर्गों से संबंधित विमर्शों को पाठ्यचर्या और सह-पाठ्य गतिविधियों में सम्मिलित करना है, जिससे सामाजिक संवेदनशीलता और नागरिक उत्तरदायित्व का विकास हो। विस्तार गतिविधियों, साहित्यिक आयोजनों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों और समुदाय-आधारित कार्यक्रमों के माध्यम से विभाग अकादमिक ज्ञान को समाज से जोड़ने का निरंतर प्रयास करता है। मिशन का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य हितधारक सहभागिता, अकादमिक पारदर्शिता, प्रशासनिक दक्षता और संस्थागत मूल्यों को सुदृढ़ करना है, ताकि विभाग की कार्यप्रणाली गुणवत्ता आश्वासन की दिशा में निरंतर अग्रसर रहे। इस प्रकार हिन्दी विभाग का मिशन शिक्षण, अनुसंधान और सामाजिक सहभागिता के समन्वय से विद्यार्थियों को अकादमिक रूप से सक्षम, व्यावसायिक रूप से दक्ष और सामाजिक रूप से उत्तरदायी नागरिक के रूप में विकसित करना है, जो NAAC की गुणवत्ता संस्कृति और संस्थान के दीर्घकालिक लक्ष्यों के अनुरूप हो।

प्रतिहस्ताक्षरित

प्रो०, डॉ० गिरीश चन्द्र पन्त
प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय मुवानी
(पिथौरागढ़)

डॉ० रुपेश कुमार
विभागाध्यक्ष (हिन्दी विभाग)
राजकीय महाविद्यालय मुवानी
(पिथौरागढ़)